अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में वैश्विक लीडर है भारत : कुलपति

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति छात्र-छात्राओं के रुझान को बढ़ावा देने के उददेश्य से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि हमारा देश पूरी दुनिया में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक लीडर बन चुका है। कुलपति ने बताया कि आज ही के दिन 23 अगस्त को इसरो के चंद्रयान-3 के विक्रम रोवर ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की थी। दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में उतरकर चंद्रमा को छूना किसी के भी जीवन के अविस्मरणीय क्षण होते हैं, जो समाज में अनुसंधान और प्रौद्योगिकी पर अंतरिक्ष अन्वेषण के गहरे प्रभाव पर बल देती है। कार्यक्रम में उत्तराखंड स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (यूसैक) की वैज्ञानिक एवं इंजीनियर डॉ. अरुणा रानी ने विचार रखे। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल, परिसर संस्थान महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डॉ. मनोज कुमार पांडा मौजूद रहे। संवाद